



# माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

20 पृष्ठाएँ 2019

परीक्षा का विषय

विषय कोड

परीक्षा का माध्यम

संकेत 5 1 2 हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी का रोल नम्बर	9 2 4 3 7 4 8 1 -
परीक्षार्थी का नाम दो चार तीन अक्षरों में	नीरोदो चारतीन मुख्य अक्षर संकेत
उपराज्यकारी क्रमांक	219-
प्रश्न क्रमांक	58245
प्रश्न पृष्ठ	1 1 2 4 3 9 3 0 8
एक दो चार तीन नीं पाँच छः आठ	

क :- पूरक उत्तर पुरितकाओं की संख्या अंकों में — शब्दों में —

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 12

ग :- परीक्षा का दिनांक 01 03 19

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

High School Cert Examination 241044

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

Gopal Lodhi

Lodhi

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर



परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुरितकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर लातिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविली एवं अंकों का योग सही है।  
निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाइल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाए।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा : परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

V.A.)  
G.H.S.BAKERA  
V.No.-781489

जी.पी. शरणगात (अध्या.)

श. मानव संसाधन विभाग (मरम्मान)

मुमुक्षु नं. - 781529

K.S.Madavi (Principal)  
G.H.S.Kope  
V.No.-781502

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।  
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविली करें।  
प्रश्न पृष्ठ क्रमांक प्राप्त में

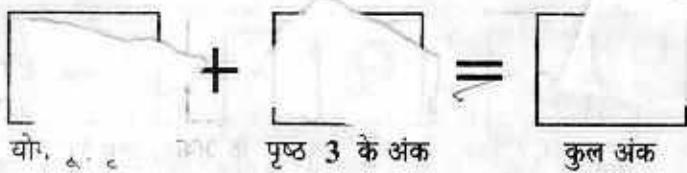
- 1
- 2
- 3
- 4
- 5
- 6
- 7
- 8
- 9
- 10
- 11
- 12
- 13
- 14
- 15
- 16
- 17
- 18
- 19
- 20
- 21
- 22
- 23
- 24
- 25
- 26
- 27
- 28

Lamination Labels A4 ST16 99.1 X 33.9 mm X10

de'nat



3



प्रश्न क्र.

प्रश्न 1 का उत्तर

(क.) (स.) गुणकांकिका:

(ख.) (अ.) चित्र + अनन्दः

(ग.) (द.) काम + सौहार्दम्

(घ.) (अ.) सोडियु

(ङ.) (इ.) अपि

S  
E

प्रश्न. 2 का उत्तर

(क.) (ख.) अवधीभावः

(ख.) (अ.) रिष्टवनम्

(ग.) (द.) कृष्णम् आस्ति:

(घ.) (स.) य

(ङ.) (अ.) अक्षर



4

+

=

योग पूर्व पृष्ठ

५

प्रश्न क्र.

प्रश्न ५ का उत्तर

(क.) (ख.) आवृ

(ख.) (स.) लैट्लाकारे

(ग.) (अ.) एकवर्चनम्

(घ.) (ङ.) अत्म पुरुषः

(ङ.) (ख.) रूब

B  
S  
E

प्रश्न ५ का उत्तर

(क.) (ख.) मत्प

(ख.) (अ.) आदाय

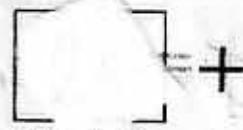
(ग.) (ख.) उभ्यं

(घ.) (ङ.) दर्शनीयम्

(ङ.) (अ.) शिरोदा:



5



कुल ८

प्रश्न क्र.

प्रश्न 5 का उत्तर

(अ.) अंगूष्ठ

(ब.) मन

(ग.) साधक

(घ.) शब्दी

(ङ.) माला

प्रश्न 6 का उत्तर

(क.) द्वितीय चिकित्सा के बहाने  
प्रचारमञ्चकोटि।(ख.) महाभारत मारती यज्ञातन्त्र वैदिकसंक्षेप  
दार्शनिकग्रन्थ।(ग.) विद्यामृद्दे लोहाइगी सारको  
(विद्यते) बत्ते।



प्रश्न क्र.

प्रश्न 7 का उत्तर

(क) राम - पञ्चमी विभक्ति:

रामात्, रामस्याम्, रामेष्यः

(ख) साधु प्रथमा विभक्ति:

साधु, साधु, साधतः

B  
S  
E

प्रश्न 8 का उत्तर

तद्यै, तत् धातुः ग्रीलिङ्

चतुर्थी विभक्ति:, द्वयवानम्

7

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} =$$

ये २ बूँद  
पृष्ठ 7 के अंक



पृष्ठ 7 का उत्तर

(क.) "बुन्देलखण्डी" - समर।

(i.) 'बुन्देलखण्डी' इति, हस्तालः विवरणः  
आकृता / नामग्रन्थ।

(ii.) हस्तालखण्ड पठनम् (१६४९) स्वकोलपत्राचार्य-  
- द्वात्रषोडशीतमे ईवत्वीये अम्बवत्।

(iii.) मध्यप्रदेशीय 'टीकमगढ़' पठनपदे मधुर-  
- पर्वतीयहोत्रे लिघौराग्रोमकरभीये (कल्प-  
- कंचनलय रामे) अम्भ च हस्तालखण्ड  
पठनम् अम्बवत्।

(iv.) हस्तालखण्ड मातृनाम लोलाङ्काश  
(सारान्धाहेवी) रिपतुनाम च श्री-चमपत्ताधः  
इत्याक्षीत।

(v.) "इत्याक्षीत" इति पदे याणवक्तव्यान्वितः  
आकृता।

इति + आकृता - इत्याक्षीत - याणवाचः



8

+

पृष्ठ 8 के अंक

=

कुल अंक

प्रश्न क्र.

(अव.) वर्कॉर्डेवः -

राजित्यथा।

(i.) वर्कॉर्डेवः बूष्टि वर्षति।

(ii.) बृहस्पति आद्यमृता मुमाता अक्षित।

(iii.) सूर्यदेवः प्रकाश व्रग्नदहति।

(iv.) वर्कॉर्डेवः, सूर्यदेवः, मुमाता, लालुः  
बृहस्पति इत्यादेवः सर्वे परोपकारिणः।

F

S

E

'वर्तते' इत्यर्थिमन यदे 'बृत्' शास्त्रः  
अक्षित।

प्रश्न 10 का उत्तर

(अव.) दानेन - हिन्दि।

(i.) भूतानि दानेन वशीभवन्ति।

(ii.) दानेन वैराग्यापि नाशन् यान्ति।

(iii.) दानेन परोदृपि बन्धुत्वमुपैति।

(iv.) दानं हि सर्वव्यक्तनानि हन्ति।

(v.) परोदृपि - परो + अपि - पुर्वकृपकवक्तव्यः



9

$$\text{या.} \quad \boxed{\text{पूः}} + \boxed{\text{पूः नूः के अंक}} = \boxed{\text{कुल अंक}}$$

प्रश्न क्र.

(Q.) मत्ता - ~~स्तुवेन्द्रः ।~~

(i.) मत्ता: वर्णेन्द्राः ।

(ii.) गवेन्द्राः मुदिताः प्रवन्ति ।

(iii.) स्मरेन्द्राः वर्षेषु विकासतताः ।

(iv.) नकेन्द्राः निष्ठाः समित ।

(v.) स्तुवेन्द्रः प्रविद्यते: सह प्रकोटितः ।

प्रश्न 11 का उत्तर

D  
S  
E

(क)

(ख)

ii) वार्ष्यवर्षाम्	- (ख) मूष्याम्
iii) मनः च्योतिषाम्	- सकं च्योतिः
iv) पर्वतम्	- श्रवीकरम्
v) नालिम्	- शुद्धात्
a)	



10



प्रश्न क्र.

प्रश्न 12 का उत्तर

(अ.) 'आम्'

(ब.) 'न'

(ग.) 'न'

(घ.) 'आम्'

B  
S  
E

प्रश्न 13 का उत्तर

(i.) वारदृष्टिम्

(ii.) मान्द्रेष्टव्य ।

(v.) रामनाथपुरे ।

(vi.) आर्य समाजव्य ।



11

योग पूर्व पृष्ठ

कुल अंक

=

प्रश्न क्र.

प्रश्न 14 का उत्तर

( समाज - प्रशंसा )

गङ्गा पापं शक्ति तापं दैन्यं कल्पतरुं भवति ॥

पापं तापं च दैन्यं च इन्द्रित सन्तो महाशयाः ॥

( शुण - प्रशंसा )

शुणः कुर्वन्ति तु तत्वं तु रेति पि वस्तां भवताम् ।

क्लेतकी गन्ध माध्राय ऋवयम् ग्रान्ति षट् पदाः ॥

✓ ( हामा - प्रशंसा )

ज्ञामाशाक्तं करे वस्य दुर्जनः किं करिष्यति ॥

अतृणे परितो वर्णं ऋवयमेवोपशाम्यति ॥



12



प्रश्न क्र.

प्रश्न 15 का उत्तर

'अवकाशार्थी प्रार्थनापत्रम्'

श्रीमन्तः प्राच्यार्द्धमहोदयस्तु  
सूक्ष्मती शिक्षु मणिहर,  
गौवङ्गामवनगवम्, मध्यप्रदेशः,

विषयः - अवकाशार्थी प्रार्थनापत्रम् ।

श्रीमन्तः

सर्वादां सर्विविनयं निवेदनम् इहम्

अह अहम् अद्य अकस्माद् ज्वरपीडितः  
अर्किम् । अत एव विद्यालयम् आगमन्तु  
कर्विदा अवाम्येः अर्किम् । कृपया प्रव-  
दिवक्षान्तां (पृथ्वीदिनाङ्कतः - नव दिनाङ्क  
पर्वन्तम्) अवकाशां अस्तदन्तु इति ।  
सर्विविनयं प्रार्थयामि ।

दिनाङ्कः - 01/03/2019

ग्रावदीयः शिक्ष्यः

उपर्युक्तः

कक्षा - दशमी आ' चक्रः

B  
S  
E



13

याग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 13 के अंक

कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न 16 का उत्तर

- (i.) श्वान् शुभ गतहृति ।
- (ii.) और रामाय ऋमः ।
- (iii.) सौनिकः अश्वात् पतति ।
- (iv.) राजा हिमालयात् प्रस्तुति ।
- (v.) दृष्टिं प्राणि पतन्ति ।

प्रश्न 17 का उत्तर

- (1.) (व.) राजातीर्थ मार्कोडेयः नाम क्षणन् चुनिः  
क्षमति सम ।
- (2.) (घ.) वासुदेवः तत्वं प्रियशिष्यः आकीत् ।
- (3.) (ङ.) किञ्चिदग्ने गतः वासुदेवः कठिनात्  
देवालयम् अपश्यत् ।
- (4.) (ठ.) विश्वः अनन्तरं कर्मनाथपुरं प्रति  
प्रविष्टवान् ।
- (5.) (छ.) ततः वासुदेवः रामनाथपुरं प्रत्ये  
रामदेवत्य ग्रहम् अमर्दहत् ।

B  
S  
E

14

$$\boxed{\text{योग पूर्व पृष्ठ}} + \boxed{\text{पृ. 14 के अंक}} = \boxed{\text{कुल अंक}}$$



प्रश्न क्र.

पृष्ठ 18 का उत्तर

शब्दीकरण

क्रमावधारः

(i.) ~~उ० = धर्मकथा प्रथम सुनाने शब्दीकरण अवधि।~~

(ii.) ~~उ० = परिवृद्धम् उद्देश्यान्वयने सहजोत्तर ग्रन्थालय।~~

B  
S  
E (iii.) ~~उ० = "द्यायामक्य लाभः" इति अस्य ग्रन्थालय सम्पुर्णता शीर्षकं अभ्यर्थति।~~

(iv.) ~~द्यायामेन शब्दीकरणालक्ष्यात् भवति।~~

(v.) ~~कोटि - कः + अपि - विकरणभिन्नः~~

15

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

वोग पूर्व पृष्ठ                    +                    पृष्ठ 15 के अंक                    =                    कुल अंक



प्रश्न क.

प्रश्न 19 का उत्तर

### "संकेतमाध्यादा: महत्वम्"

**महात्मारामदिः संकेतविषये उत्तरवान्**

"उत्तर संकेतमाध्यादा भावतीयमाध्यादा:  
गङ्गाननदी आविष्ट"

- संकेतमाध्या विशेषक्यं कर्वन्तु माध्यादा
- प्राचीनतमा कर्वत्तमसाहित्यसंदृश्यता - अस्ति
- संकेता परिष्ठुद्दा त्योक्तव्यमन्वित्यदोषादि
- वहिता संकेतमाध्येति निराद्यते / प्राचीने
- समये एष्व माध्या कर्वक्याद्यादा आविष्ट /
- कर्वन्ते जनाः संकेतमाध्याम् कर्व वहित्यत्तमा
- ईषा ई अवमाक्षं पुर्वजानाम् आद्यादा
- कुलमा - शोभना, गरिमामयी च वाणी
- संकेतमाध्यादा मन्त्र विशेषक्याहित्यक्यं कर्व-
- प्राचीना ग्रन्थाः चत्वारोः लोहोः मनित / देवाः
- महत्वमहादीपि, कर्वन्ते युक्तिंति / मात्राः - कालि-
- दास - अशेषघोष - भव्युति - दण्ड - कुञ्चन्धु -
- वापाः - जरदेव, यमुतयो महाकवयो नाटक -
- कर्वक्यं संकेतमाध्यादा: कर्व / शीवनक्य
- कर्वक्यं कर्वेषु संकेतक्यं प्रयोगः भवति

अषुनाऽपि भग्नानक्यं कृते संकेत  
माध्या अतिउपयुक्ता अस्ति / संकेतमाध्येति  
भावतक्यं प्राप्नुता माध्या अस्ति / वाष्टक्य  
कर्वन्ते च साधयति / भावतीयगोवर्षक्यं रक्षणाय  
संतर्प्या प्रभावः कर्वन्ते नित्यः / अत एव  
उद्द्यते - "संकेतिः संकेतमाध्येता।"



प्रश्न क्र.

विवेकानन्दः संकृत विषये उत्तरान् ॥  
सत् संकृतम् सर अवश्यमेव शिल्पीयम् ॥

वेदे विकारः विद्वन् मैत्रसंघुलः अवदत् ॥  
संकृत भाषा विश्वकर्म महत्मा भाषा  
अक्षित ॥

“ मारतीयैकता साधकं संकृतम् ।  
विश्वव्यवन्दुत्वसम्पोषकं संकृतं ॥ ”

B  
S  
E